श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-46 | 05 जुलाई, 2021 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-24 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

दान का महत्त्व

ज्ञानियों ने दान को सरल तो बताया हीं, पर उसे पहले स्थान पर रख दिया। दान, शील, तप और भावना में दान का स्थान पहला है। कारण है, दान सबसे सरल है। हर व्यक्ति दान दे सकता है चाहे वह छोटा हो या बड़ा। अमीर-गरीब सब दान कर सकते हैं। इस पंचम आरक रूप कलियुग में सबसे कोई सरल धर्म है तो वह है दान। दान-शील-तप-भावना में दान सरल है, मेरे इस कथन के पीछे अपेक्षा रूप विचार रहे हैं। दान सरल है, सहज है, सीधा है, हर आदमी दान कर सकता है। शील पालना अवस्था के साथ होता है, तपश्चर्या समझदारी से होती है, भावना ज्ञान जगने से बनती है। दान सबके लिए है, सब कर सकते हैं। नीतिकारों ने कहा है-

ब्याजे स्याद् द्विगुणं वित्तं, व्यवसाये स्थान् चतुर्गुणं।
क्षेत्रे शतगुणं प्रोक्तं, दानेऽनंतगुणं तथा।

-'हीरा-प्रवचन-पीयूष' भाग-5 से साभार

महामंत्री की कलम से

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र !

देव, गुरु धर्म के पुण्य प्रताप से आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे।

जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा., सरस व्याख्यानी, महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 6 श्रीमती शरदचन्द्रिका मोफतराज मुणोत सामायिक-स्वाध्याय भवन, पीपाड़ में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। परम पूज्य गुरुदेव के पीपाड़ विराजने से पीपाड़वासियों को सामायिक-स्वाध्याय एवं धर्माराधना का नियमित सुअवसर प्राप्त हो रहा है। परम पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. ने महती कृपा करके 2078 के लिए साधु मर्यादा के आगारों सहित 22 चातुर्मास घोषित किए हैं, जिससे घोषित चातुर्मास वाले क्षेत्रों में अत्यन्त हर्ष एवं प्रमोद है।

चातुर्मास स्थल की ओर रत्नसंघीय सभी संत-मुनिराज एवं महासती मण्डल का विचरण विहार सुचारू रूप से चल रहा है। सभी संत-सतीवृन्द विचरण विहार के दौरान मध्यान्तर क्षेत्रों को फरसते हुए श्रावक-श्राविकाओं को सामायिक-स्वाध्याय एवं धर्माराधना की प्रभावी प्रेरणा कर रहे हैं। जहाँ-जहाँ मुनिमण्डल एवं महासती मण्डल का विचरण विहार चल रहा है, उन क्षेत्रों में रहने वाले गुरुभ्राताओं से निवेदन है कि आप कोरोना सम्बन्धी सरकारी गाईड लाइन का पालन करते हुए विचरण विहार के दौरान विहार सेवा का लाभ प्राप्त करें एवं महापुरुषों से आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त करें। संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित गतिविधियों में सक्रियता के साथ भाग लें।

आचार्य हस्ती दीक्षा शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा निर्धारित कई कार्यक्रम कोरोना गाईड लाइन के चलते ऑनलाइन तथा लघु रूप में आयोजित किए गए। कोरोना के कारण पूर्व में स्थगित की गई शिक्षण बोर्ड के द्वारा आयोजित होने वाली आवश्यक सूत्र खुली पुस्तक परीक्षा आगामी 15 अगस्त, 2021 को आयोजित होगी। परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. की सदैव प्रेरणा रहती है कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका प्रतिक्रमण के जानकार बने। प्रतिक्रमण कण्ठस्थ करने के साथ ही इसके अर्थ-भावार्थ को जाने, एतदर्थ आवश्यक सूत्र आगम का पठन उपयोगी है।

इस प्रतियोगिता में संघ के अधिकाधिक सदस्य भाग ले ऐसी संघ की भावना हैं। अतः आप परीक्षा की तैयारी करने के साथ स्वयं इस परीक्षा में भाग लें, पूरे परिवार को भी प्रेरित करें तथा अपने अपने सम्पर्क में आने वालों को भी अवश्य प्रेरित करें।

आप-हम-सब संघ उन्नयन में सजगता एवं जागरूकता बनाये रखें, इसी मंगल मनीषा के साथ।

-धनपत सेठिया, राष्ट्रीय महामंत्री

परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा सन् 2021 (संवत् 2078) के चातुर्मासों की घोषणा

जिनशासन गौरव, आगमज्ञ, प्रवचन-प्रभाकर, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक परम श्रद्धेय पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. द्वारा दिनांक 21 अप्रेल, 2021 को, 24 मई, 2021, 26 मई, 2021, 16 जून, 2021 तथा 30 जून, 2021 को पीपाड़सिटी में विक्रम संवत् 2078, ईस्वी सन् 2021 के साधु मर्यादा के समस्त योग्य आगारों के साथ, वर्तमान की देश-प्रदेश की परिस्थिति के कारण कोई परिवर्तन करना पड़े, उस आगार के साथ चातुर्मास स्वीकृत किए, जिसका विवरण इस प्रकार है-

1. आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा
पीपाड़सिटी, जिला–जोधपुर (राज.)
2. मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा
मानसरोवर, जयपुर (राज.)
3. सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
पुष्कर रोड़, अजमेर (राज.)
4. तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा **गोटन(राज.)**
5. व्याख्यानी श्रद्धेय श्री यशवन्तमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
नेहरूपार्क, जोधपुर (राज.)
6. साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
महारानी फार्म, जयपुर (राज.) सकारण
7. विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
पुष्कर रोड़, अजमेर (राज.) सकारण
8. विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा **सूरत (गुजरात)**
9. व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
पाटण, जिला–भीलवाड़ा (राज.)
10. व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा
भोपालगढ़, जिला–जोधपुर (राज.)
11. व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा
घोड़ों का चौक, जोधपुर (राज.)
12. व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा
श्री कालाहस्ती (आन्ध्रप्रदेश)
13. व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा
शक्तिनगर, जोधपुर (राज.)
14. व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा **अमरावती (महा.)**
15. व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा **सेलम (तमि.)**
16. व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **देई,जिला–बूंदी(राज.)**

17. व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **विल्लीपुरम(तमि.)**
18. सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **पाली–मारवाड़(राज.)**
19. व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा **मैसूर (कर्ना.)**
20. व्याख्यात्री महासती श्री पद्मप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **गोटन (राज.)**
21. व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा **पीपाड़ सिटी(राज.)**
22. व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा **जयपुर शहर (राज.)**

विचरण विहार

(दिनांक 05.07.2021 की स्थिति)

☆ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा 6 श्रीमती शरद चन्द्रिका मुणोत स्वाध्याय भवन, पीपाड़ में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा 3 डी-3, वर्धमान भवन, लाल कोठी, कृष्णा नगर, जयपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराज रहे हैं।

☆ सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 4 जैन स्थानक, गोविन्दगढ़, जिला-नागौर में सुख-शान्तिपूर्वक विराज रहे हैं।

☆ तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 4 श्री महावीर भवन, कोसाणा, जिला-जोधपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराज रहे हैं।

☆ श्रद्धेय श्री यशवन्तमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 4 सामायिक स्वाध्याय भवन, प्लॉट नं. 2, नेहरु पार्क, जोधपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान है।

☆ साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 13 श्री उत्तम स्वाध्याय भवन, 250-बी, गायत्री नगर, महारानी फार्म, सीडलिंग स्कूल के पीछे, जयपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 8 प्राज्ञ भवन, अरिहन्त कॉलोनी, पुष्कर रोड़, अजमेर में सुख- शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 श्री सोहनलाल नाहर सामायिक-स्वाध्याय भवन, 25 एम.जे. पार्क, आचार्य हस्ती मार्ग, सिटीलाईट, सूरत (गुजरात) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.आदि ठाणा 3 के. डी. विद्यालय, उदयपुर रोड, ब्यावर, जिला-अजमेर (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराज रहे हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 7 श्री किस्तूरजी कड़वासरा का मकान, कड़वासरों की ढाणी, तह. मेड़ता, जिला-नागौर (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा 17 सामायिक-स्वाध्याय भवन, सी-55, धर्म नारायणजी का हत्था, पावटा, जोधपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 6 जैन स्थानक, 330-331, न्यू स्ट्रीट, जिला-चित्तूर (आ.प्र.) में सुख- शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा 4 जैन स्थानक, चांदूर रेलवे, जिला-अमरावती (महा.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 राजकीय विद्यालय, टिरयम पट्टी देवयानी, जिला-सेलम (तमि.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 श्री महावीरजी धापल का मकान, नैनवां गांव, जिला-बूंदी (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4, संघवी रेस्टोरेन्ट, कुड़ी से आगे, मोगड़ा, जिला-जोधपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4, श्री जैन भवन, टेलिफोन एक्सचेंज बिल्डिंग के सामने, पनरूटी (तमिलनाडु) में सुख-शान्ति पूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा 6, क्लीन पक्ष लिमिटेड, सिपाणीजी की फैक्ट्री, महूर के.के.आई.ए.डी.बी. इण्ड. एरिया (कर्नाटक) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4, महिला स्वाध्याय भवन, पीपाड़ शहर, जिला-जोधपुर (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3, सामायिक-स्वाध्याय भवन, भोपालगढ़, जिला-जोधपुर (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री संगीताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 4, श्री सीतारामजी का मकान, जयपुर होटल के पास, जादुओं की ढाणी, जिला-जयपुर (राज.) में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

सभी संत-सती मण्डल के रत्नत्रय की साधना में सहायक स्वास्थ्य में समाधि है तथा विचरण विहार सुख-शांति पूर्वक चल रहा है।

पीपाड़ में चतुर्विध संघ समागम से धर्म गंगा प्रवाहित

रत्न संघ के अष्टम पट्टधर, आगमज्ञ, प्रवचन प्रभाकर, सामायिक, शीलव्रत, रात्रि भोजन त्याग एवं व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिन शासन गौरव, परम श्रद्धेय **आचार्यप्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा., महान् अध्यवसायी सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा-6 सुखे समाधे धर्मधरा वीर प्रसुता पीपाड़ की पावन धरा पर विराज रहे हैं।

जब से परमाराध्य पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि चारित्रात्माओं का पीपाड़ की पावन धरा पर पदार्पण हुआ है अर्थात् कोसाणा चातुर्मास सम्पूर्ण होने के पश्चात्, शेखवेकाल शुरु होते ही चहुँओर से संत-सती मण्डलों का

परमाराध्य पूज्य आचार्यप्रवर के दर्शनार्थ आने को आज्ञातुर हो उठे। देशकाल परिस्थिति एवं संघीय व्यवस्था, स्वास्थ्य तथा कोरोना काल को मद्देनजर रखते हुए अधिकांश मुनिमण्डल और महासती मण्डलों को पीपाड़ पदार्पण हेतु आज्ञा, अवसर करुणाकर पूज्य आचार्यप्रवर ने प्रदान किया। कई महीनों से पुण्यधरा पीपाड़ में चतुर्विध संघ समागम की समुपास्थिति से संघनायक सहित अनेकानेक संत-सतीवृन्द के दर्शन वंदन, चरणसन्निधि, व्रत-प्रत्याख्यान, धर्मध्यान का लाभ भक्तों को कोरोना गाईड लाइन के अनुसार घर में रहकर साधना-आराधना, सामायिक-स्वाध्याय, जप-तप एवं सुपात्रदान, विहार-सेवा संभाल का सुअवसर प्राप्त हुआ।

व्याख्यात्री महासती श्री दर्शनलताजी म.सा. आदि ठाणा-3 बासनी, उचियाड़ा, डांगियावास, रिया सेठों की आदि क्षेत्रों को फरसते हुए दिनांक 11 फरवरी, 2021 को पीपाड़ पदार्पण कर गुरुचरण सन्निधि में 27 फरवरी, 2021 तक विराजे एवं सायंकाल गौपाल गौशाला की ओर विहार कर खेजड़ला, रणसीगांव होते हुए हरियाढाणा 11 दिन धर्म प्रभावना कर, चिरढ़ाणी होते हुए पुनः 15 मार्च को सायंकाल गौपाल गौशाला एवं 16 मार्च को प्रातःकाल पीपाड़ पदार्पण हुआ तथा 24 मार्च को फिर रिया सेठों की होते हुए जोधपुर की ओर विहार किया। **व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.** आदि ठाणा 3, व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा-7 अर्थात् तीनों महासती मण्डलों का समागम एवं पूज्य आचार्य भगवन्त आदि संत-मुनिराजों के दर्शन-वन्दन, सान्निध्य का लाभ मिला।

व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा-7 का 26 फरवरी, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ एवं 22 मार्च, 2021 को मोगड़की, 23 मार्च को बगड़की गांव होते हुए पीपाड़ रोड़, देवातड़ा, बन्दड़ा, बिराई, केरलाबेरा, बावड़ी, हरढ़ाणी, नांदियागांव, धनारीकलां, कुड़छी, सेवा की ढ़ाणी, पाँचलासिद्धा, सैनिक नगर गांव, आचीणा, बेराथल, बासवानी, कुम्हारी, बासनी-बेलियागांव, सोनीजी की बाड़ी, गणेश चौक-नागौर, 08 मई, 2021 को पदार्पण कर 08 जून, 2021 तक नागौर में धर्म प्रभावना की एवं 09 जून को अधियासन, इनाणा, मूंडवा, खजवाना रोड़, खजवाना गांव, लामरोड़, भटनोखा, सेन्दणी होते हुए विचरणरत है तथा गोटण होते हुए पीपाड़ पदार्पण संभावित है। **व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.** आदि ठाणा-3 का 05 मार्च, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ तथा 22 मार्च को विहार होकर तरुण बेरा, साथिन, खांगटा, रतकुड़िया, सेवर की ढ़ाणी, चुपियों की ढ़ाणी, भोपालगढ़, नाड़सर, बारणीखुर्द, रजलानी, खांगटा, पालड़ी, माडपुरिया, खवासपुरा, घोड़ावत, बोरुन्दा, डिगरला, कालूगांव, आनन्दपुर कालू, भोचा की ढाणी, लांदिया गांव, अमरपुरा गांव, लल्लुपुरा गांव, बल्लुपुरा रास रोड़, रासगांव, श्री सीमेण्ट कॉलोनी, ब्यावर रोड़, बाबरा गांव-रोड़ अमरपुरा गांव आदि क्षेत्रों में विचरण व धर्म प्रभावना करते हुए पाटण जिला भीलवाड़ा चातुर्मास स्थल की ओर बढ़ रहे हैं।

श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-2, दिनांक 12 फरवरी, 2021 को प्रातः रिया सेठों की एवं सायंकाल पीपाड़ पदार्पण कर गुरुचरण सन्निधि में विराजित है। मुनिश्री प्रश्नोत्तर शैली से जिज्ञासा-समाधान विशद् विवेचन के साथ सरल

सुबोध तरीके से समझा रहे है। **श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा-2 दिनांक 14 फरवरी, 2021 को पीपाड़ से विहार कर सिन्धीपुरा, कुड़ी जैन स्थानक, अरटिया, हीरादेसर, भोपालगढ़, कुड़ी, बुडाणा फरसकर 25 फरवरी, 2021 को पीपाड़शहर पधारे एवं पुनः 01 मार्च, 2021 को विहार कर नागौर की ओर विचरण विहार किया एवं मध्यवर्ती क्षेत्रों में धर्म प्रभावना करके पुनः पीपाड़ पदार्पण हुआ। **तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा-3 का 27 मार्च, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ। तत्त्वचिंतक श्री जी ने विशेषावश्यक भाष्य की टीका, अपनी परम्परायें भाग-1, कम्मपयड़ी, आत्मसिद्धी शास्त्र, पंच संग्रह भाग-1-2, पन्नवणा सूत्र के थोकड़े आदि पर तत्त्वचिन्तनपरक शिक्षण कराया। **सेवाभावी श्रद्धेय श्री नंदीषेणमुनिजी म.सा.** आदि ठाणा-2 का दिनांक 14 अप्रेल, 2021 को पीपाड़ पावन पदार्पण हुआ। अजमेर श्री संघ की पुरजोर विनति को स्वीकार कर सन्तों का चातुर्मास स्वीकृत फरमाया। श्रद्धेय श्री नंदीषेणमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री दर्शनमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री आशीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 24 मई, 2021 को गुरु आज्ञानुसरण में गंतव्य अजमेर के लिए पीपाड़ से विहारकर ग्रामानुग्राम विचरणरत है।

व्याख्यात्री महासती श्री सरलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-3 ने 27 अप्रेल, 2021 को पीपाड़ पदार्पण किया एवं 28 मई तक पीपाड़ विराजे। **व्याख्यात्री महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा.** आदि ठाणा-4 का 26 मई, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ। दिनांक 26 जून, 2021 तक महिला स्वाध्याय भवन में विराजे एवं गुरु चरण सेवा-सन्निधि का लाभ लिया। गुरु आज्ञा अनुसरण में दिनांक 20 जून सायं को विहार कर जोधपुर फरसते हुए पाली चातुर्मासार्थ विचरणरत है। **व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा.** आदि ठाणा-3 का दिनांक 06 जून, 2021 को पदार्पण हुआ तथा 25 जून को पीपाड़ से भोपालगढ़ फरसने हेतु विहार हुआ। **व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा.** आदि ठाणा का दिनांक 31 मई, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ। 02 जून, 2021 को विहार कर गोटन 05 जून को पदार्पण किया, जहाँ व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा., व्याख्यात्री महासती श्री संगीता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा अर्थात् तीनों संघाड़ों का मिलन हुआ। पुनः खांगटा, साथिन होते हुए 11 जून, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ। 23 जून, 2021 को बाकलिया होते हुए जोधपुर की ओर विहार किया। **व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा.** आदि ठाणा-6 का 14 जून, 2021 को पीपाड़ पदार्पण हुआ। 24 जून, 2021 को पीपाड़ से विहार कर मध्यवर्ती क्षेत्रों को फरसते हुए जोधपुर पधारे है।

चूँकि कोरोना गाईड लाइन के अनुसार सभी सामूहिक धार्मिक गतिविधियाँ प्रवचन आदि नहीं हो रहे है। सीमित संख्या में ही प्रातःकालीन प्रार्थना के उपरांत दर्शन-वंदन, मांगलिक श्रवण के तदन्तर संत-सतीवृन्द को साधना-आराधना की नियमित गतिविधियाँ ही होती है। इसी क्रम में शास्त्र-स्वाध्याय (वाचनी) अनुयोगद्वार सूत्र के तदन्तर स्थानांग सूत्र की वाचनी चल रही है। सभी संत-सतीवृन्द एवं मुमुक्षु

तत्त्व जिज्ञासु सुज्ञ ज्ञानार्थी भाई-बहनों की परमाराध्य पूज्य गुरुदेव के साथ-साथ अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा., तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. के तत्त्वचिन्तन का एवं प्रभृति सभी संत-सतीवृन्द की जिज्ञासाओं, अनुप्रेक्षाओं एवं समाधान की बोधगम्य सरिता का सतत ज्ञान-गंगा-संगम रूप समवशरण जैसा वातावरण सृजित हो उठा। वर्तमान परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए परमाराध्य पूज्य गुरुदेव ने विनति एवं चातुर्मास स्वीकृति हेतु प्रायःकर श्री संघों का आवगामन होता था- जिसे गुरुदेव ने यह फरमाकर रोक दिया कि जोखिम भरे कोरोना काल में कोई परेशानी उठाकर नहीं आवे, केवल पत्र भेजकर अपनी भावना व्यक्त करें- स्वीकृत चातुर्मास क्षेत्र (श्री संघों) को संघीय व्यवस्था के द्वारा अपने-अपने स्थान पर सूचित कर दिया जायेगा। जिसका लगभग सभी ने पालन किया।

समय-समय पर संघीय व्यवस्था एवं मार्गदर्शन, संघहित चिन्तन हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारीगण, शाखाओं के पदाधिकारीगण एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के श्री संघ ओसवाल, पोरवाल, पल्लीवाल क्षेत्रों से अपनी भावनाओं को गुरुचरणों में रखने आये- जिनको को कोरोना गाईड लाईन अनुसार दूर से दर्शन-वंदन, मांगलिक श्रवण का लाभ मिला एवं दूर से अपनी भावाभिव्यक्ति लिखित/मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। विगत दो मास में राष्ट्रीय पदाधिकारी सुश्रावक श्री प्रकाशचंदजी टाटिया, सुश्रावक श्री धनपतजी सेठिया, श्री प्रकाशजी सालेचा, श्री प्रमोदजी लोढ़ा, श्री विनोदजी लोढ़ा। शासन सेवा समिति से श्री नौरतनमल जी मेहता, श्री गौतमजी हुण्डीवाल आदि पदाधिकारीगण संघ हित-चिन्तन एवं मार्गदर्शन हेतु गुरुचरणों में आये। श्राविका मण्डल से श्रीमती बीनाजी मेहता, श्रीमती श्वेताजी कर्णावट आदि गुरुचरणों में आये। पीपाड़ श्री संघ के श्रावक संघ, श्राविका मण्डल, युवक परिषद् सभी की सेवाएँ एवं सुव्यवस्था सराहनीय हैं।-गिर्राज जैन

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु प्रस्ताव आमंत्रित

आगामी साधारण सभा में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर एवं संघीय संस्थाओं के अध्यक्ष का मनोनयन किया जायेगा। मनोनयन हेतु आप अपने प्रस्ताव बंद लिफाफे में माननीय श्री मोफतराजजी मुणोत (संयोजक-संघ संरक्षक मण्डल), मुणोत विला, वेस्ट कम्पाउण्ड फील्ड लेन, 63-के, भूलाभाई देसाई रोड़, मुम्बई-400026 (महा.) के पते पर भिजवाने का कष्ट करावें।

-धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

जोधपुर में धर्माराधना

परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती श्रद्धेय श्री यशवन्तमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-4 जोधपुर के उपनगरों में धर्म प्रभावना करते हुए विचरण कर रहे हैं। मुनि मण्डल नेहरू पार्क स्थानक में शेखेकाल विराज कर साधना-आराधना करने के लक्ष्य के साथ घोड़ों का चौक सामायिक स्वाध्याय भवन पधारे और कुछ दिन शेखेकाल वहाँ विराजकर बहुत सुन्दर धर्म प्रभावना की,

तत्पश्चात् सामायिक स्वाध्याय भवन पावटा पधारे। वहाँ कुछ दिन विराज कर जालम विलास रांका स्वाध्याय भवन में पधारे, श्रावक-श्राविकाओं को साधना-आराधना का संदेश देते हुए श्रद्धेय मुनि मण्डल सामायिक स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर गली नं. 6 में पधारे। वहाँ भी शेखवेकाल विराज कर आप निरन्तर धर्म प्रभावना कर रहे है, दोपहर में वाचनी एवं प्रातःकाल कर्म सिद्धान्त के विषय पर धर्म चर्चा के साथ साधना-आराधना करके मानव जीवन को सफल बनाने की पावन प्रेरणा निरन्तर कर रहे है। शक्तिनगर में नवपद ओली आराधना के दौरान अच्छी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने आराधना की।

महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा नेहरु पार्क सरदारपुरा क्षेत्र को फरसते हुए सामायिक-स्वाध्याय भवन पावटा पधार कर सुख साता पूर्वक विराजमान है। नियमित साधना-आराधना के साथ ज्ञान ध्यान सीखने का लाभ श्रावक-श्राविका समय-समय पर ले रहे है। महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-4 भी जोधपुर की पावन धरा पर उपनगरों को फरसते हुए शक्तिनगर पधारे। वहाँ गली नं. 9 में सुख सातापूर्वक विराजते हुए श्रद्धेय मुनि मण्डल की सेवा में निरन्तर धर्म चर्चा की गई। महासती मण्डल ज्ञान-ध्यान और साधना-आराधना के पावन लक्ष्य के साथ शक्तिनगर में कुछ दिन विराजे और फिर पूज्य आचार्य भगवन्त की सेवा में पधारने हेतु पीपाड़ की ओर विहार किया। महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा-4 जोधपुर पधारे हैं, कुछ दिन संत-भगवन्त की सेवा में विराज कर पाली की ओर विहार संभावित है। जोधपुर के श्रावक-श्राविका एवं युवा साथी द्वारा समय-समय पर विहार सेवा एवं आतिथ्य सत्कार का लाभ निरन्तर ले रहे है।

कोरोनाकाल में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर के अध्यक्ष श्री सुभाषजी गुंदेचा के नेतृत्व में संघ द्वारा कोविड-19 से पीड़ित जोधपुर के समस्त अस्पतालो में भर्ती मरीजों एवं होम क्वारेन्टाइन मरीजों व उनके परिजनों के लिए लगभग 45 दिन तक निःशुल्क भोजन की लगभग 5600 थाली की व्यवस्था की गई। साथ ही लगभग 9000 टिफिन एवं 4800 खिचड़ी के पैकेटों की व्यवस्था श्री महावीर युवा संघ, जोधपुर एवं श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में की गई, जिसके दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों तक निःशुल्क एवं शुद्ध सात्त्विक भोजन पहुँचाने की सुन्दर व्यवस्था शक्तिनगर अतिथि भवन से संयोजक श्री अशोकजी मेहता, अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के क्षेत्रीय प्रधान श्री अमरचन्दजी चौधरी एवं युवा अध्यक्ष श्री गजेन्द्रजी चौपड़ा के साथ सभी कार्यकत्ताओं के सहयोग से की गई। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा कोविड-19 से पीड़ित होम क्वारेन्टाइन मरीजों के उपयोगार्थ ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर मशीने सिमित अवधि तक प्रयोग हेतु निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।-नवरतन गिड़िया, सचिव

संस्कार केन्द्रों का संचालन पुनः प्रारम्भ

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार द्वारा देश भर में चल रहे दैनिक संस्कार केन्द्रों को 05 जुलाई, 2021 से पुनः प्रारम्भ किया गया है। साथ ही 11

जुलाई से रविवारीय संस्कार शिविर भी प्रारम्भ किए जायेंगे। कोरोना महामारी के कारण बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया था। सभी संस्कार केन्द्रों में सरकार एवं संघ द्वारा जारी गाईड लाईन पूर्ण रूपेण पालना की जा रही है। आपसे आग्रह पूर्ण निवेदन है कि बालक-बालिकाओं को संस्कारवान बनाने हेतु अपने नजदीकी संस्कार केन्द्रों में अवश्य भेजे।-राजेश भण्डारी, सचिव

आवश्यक सूत्र की लिखित परीक्षा 15 अगस्त, 2021 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड द्वारा आवश्यक सूत्र की लिखित परीक्षा 04 जुलाई-2021, रविवार को आयोजित की जानी थी, किन्तु कोरोना महामारी के प्रकोप को देखते हुए तथा सरकारी गाईडलाईन को ध्यान में रखते हुए यह परीक्षा 04 जुलाई को आयोजित कराना संभव नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आवश्यक सूत्र की लिखित परीक्षा को 15 अगस्त-2021, रविवार को दोपहर 12:30 से 3:30 बजे आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है।

कोरोना महामारी के कारण आवश्यक सूत्र की परीक्षा की दिनांक तीन बार बदलनी पड़ी। इस कारण आप सब को हुई असुविधा के लिये हमें खेद है। शिक्षण बोर्ड ने यह भी निर्णय लिया है कि तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह परीक्षा 15 अगस्त-2021 को तो अवश्य ही आयोजित करानी है।

सभी से निवेदन है कि अपने क्षेत्र के सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा की सूचना शीघ्र कराने की कृपा करावें। जिन भाई-बहिनों ने अभी तक परीक्षा के लिये फार्म नहीं भरे हैं, उनसे भी सम्पर्क कर परीक्षा में भाग लेने हेतु पुरजोर प्रेरणा करने की कृपा करावें।आवश्यक सूत्र की परीक्षा से सम्बन्धित नियमावली इस प्रकार हैं-

1. परीक्षा में आवेदन करने की अंतिम दिनांक 20 जुलाई, 2021 है।
2. यह फार्म ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध हैं। जिन्होंने पूर्व में फार्म भर दिया है, उन्हें वापस भरकर भिजवाने की आवश्यकता नहीं है।
3. परीक्षा का समय 3.00 घण्टे रहेगा, जिसमें दो तरह के प्रश्न पत्र होंगे। प्रथम **Objective Type** के प्रश्न-पत्र का समय आधा घण्टा रहेगा, जिसमें श्रावक सामायिक-प्रतिक्रमण सूत्र (सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर से प्रकाशित) पुस्तक में से 30 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। इन सभी प्रश्नों के उत्तर बिना पुस्तक देखे कंठस्थ ज्ञान के आधार पर देना होगा। आधा घण्टे बाद प्रथम प्रश्न-पत्र वापस ले लिया जायेगा। द्वितीय **Subjective Type** के प्रश्न पत्र का समय 2 घण्टे 30 मिनिट रहेगा, जिसमें आवश्यक सूत्र आगम की पुस्तक साथ में लेकर प्रश्नों के उत्तर ढूंढकर लिखे जा सकेंगे। द्वितीय प्रश्न-पत्र 70 अंकों का रहेगा।
4. परीक्षा में सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल द्वारा प्रकाशित आगम 'आवश्यक सूत्र' ही मान्य होगी।
5. जहाँ कम से कम 10 परीक्षार्थी होंगे वहाँ परीक्षा का केन्द्र रखा जायेगा। आवश्यक सूत्र की परीक्षा में बैठने वाले सभी परीक्षार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जायेगा।
6. उक्त परीक्षा से सम्बन्धित अन्य जानकारी एवं परिवर्तन की सूचना जिनवाणी, रत्नम् एवं रत्नसंघ एप्प के माध्यम से दी जायेगी। परीक्षा सम्बन्धी सर्वाधिकार शिक्षण बोर्ड का रहेगा।

-सुभाषचन्द नाहर-सचिव, अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड,

गत तीन माह में दिवंगत हुए संघ सदस्यों को श्रद्धाजंलि

卐 श्री महेन्द्रजी जैन-सवाईमाधोपुर 卐 श्री चंचलमलजी गांग-जोधपुर 卐 श्री दिनेशजी खिंवसरा-जोधपुर 卐 श्रीमती रीटा चंचलचन्दजी सिंघवी-जोधपुर 卐 श्रीमती उषा नेमीचन्दजी सिंघवी-जोधपुर 卐 श्री विजयमलजी मेहता-जोधपुर 卐 श्री नगराजजी मेहता-जोधपुर 卐 श्री नरेन्द्रकुमारजी सुराणा-जोधपुर 卐 श्रीमती राजकुमारी बसन्तजी हीरावत-जयपुर 卐 श्रीमती शोभा अभयजी डागा-जयपुर 卐 श्री अमरचन्दजी सदावत मेहता-जोधपुर 卐 श्री कंवरीलालजी कोठारी-अजमेर 卐 श्रीमती शान्तिदेवी पारसमलजी कटारिया-भीलवाड़ा 卐 श्रीमती चन्द्रकला प्रवीणजी सेठिया-जोधपुर 卐 श्री नवरतनमलजी डोसी-जोधपुर 卐 श्रीमती युगल नेमीचन्दजी रांका-अहमदाबाद 卐 श्रीमती रतनकंवर रिखबचन्दजी सिंघवी-जोधपुर 卐 श्री नारायणचन्द जी मेहता-जोधपुर 卐 श्री सम्पतराजजी चौधरी-दिल्ली 卐 श्रीमती शान्ता नवरतनमलजी डोसी-जोधपुर 卐 श्री भागचन्दजी कांकरिया-जोधपुर 卐 श्री निर्मलकुमारजी जामड़-जयपुर 卐 श्री अरिष्ठजी रांका-अहमदाबाद 卐 श्री मोहनलालजी बोहरा- तिरुवनमल्लै-चेन्नई 卐 श्री नरेन्द्रराजजी मेहता-जोधपुर 卐 श्री मोहनलालजी पीपाड़ा-इन्दौर 卐 श्रीमती बसन्तादेवी राजेशकुमारजी गुन्देचा-सोजतरोड़ 卐 श्री महावीरप्रसादजी जैन 'करेला वाले'-सवाईमाधोपुर 卐 श्री गजेन्द्रजी कुम्भट-जोधपुर 卐 श्री राजेन्द्रप्रसादजी जैन 'जरखोदा वाले'-जयपुर 卐 श्री उम्मेदमलजी सिंघवी-जोधपुर 卐 श्री सोहनलालजी पितलिया-रतलाम 卐 श्रीमती चम्पा नरपतराजजी भण्डारी-जोधपुर 卐 श्रीमती कान्ता धर्मचन्दजी कांकरिया-भोपालगढ़।

उपर्युक्त दिवंगत आत्माओं के प्रति अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, अखिल भारतीय श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् परिवार हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

100000/- श्रीमती उर्मिलाजी सिंघवी सुपुत्री श्री अचलमलजी सिंघवी, जोधपुर, जीवदया हेतु।

45625/- श्रीमती सरलादेवीजी सुराणा, चेन्नई, संघ सहायतार्थ।

33215/- श्री राजीवजी सुराणा, चेन्नई, संघ सहायतार्थ।

30660/- श्री संदीपजी सुराणा, चेन्नई, संघ सहायतार्थ।

28000/- श्री मोहनलालजी, पारसमलजी, सुशीलजी, आनन्दजी, अरविन्दजी, विशालजी, सरोजाजी, चन्द्राजी, अमृताजी, प्रीतिजी, मनीषजी, धृतिजी, उगमाबाईजी, मधु बाईजी बोहरा, तिरुवन्नामल्लै, चेन्नई, संघ सहायतार्थ।

21000/- श्रीमती संगीता महेन्द्रजी कुम्भट, मुम्बई, अपनी माताजी श्रीमती कमलाजी कुचेरिया के समाधिमरण उपरान्त जीवदया हेतु।

11001/- श्री महेन्द्रमलजी गांग, सूरत, अपने ससुर श्री जतनराजजी कुम्भट के निधन होने पर उनकी पावन स्मृति में।

11000/- श्रीमती बीना भागचन्दजी, ब्रिजेशजी, डूग्गूजी मेहता, जोधपुर, अपनी सुपुत्री सुश्राविका बिन्दूजी मेहता के 150 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सानन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

11000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में रत्नम् पत्रिका हेतु।

11000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में जीव दया हेतु।

11000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में शिक्षा-दीक्षा-विहार सेवा हेतु सहयोगार्थ।

11000/- श्री नारायणचन्दजी मेहता, जोधपुर, जीवदया हेतु।

11000/- डॉ. निर्मलकुमारजी सुपुत्र स्व. श्री प्यारेलालजी, विनयकुमारजी बोहरा, हैदराबाद, श्रीमती शांतादेवीजी धर्मसहायिका स्व. श्री प्यारेलालजी बोहरा की पावन स्मृति में।

10500/- पारस-पन्ना फैबटेक्स प्राईवेट लिमिटेड, पाली, संघ सहायता हेतु।

7500/- श्रीमती पुष्पाजी मेहता, पाली, विहार सेवा हेतु सहयोगार्थ।

7500/- श्री कानराजजी मेहता, पाली, विहार सेवा हेतु सहयोगार्थ।

5000/- श्री अचलराजजी, जितेन्द्रजी, सुरेशजी, हर्षजी डागा, जोधपुर, जीवदया हेतु।

2200/- श्रीमती चन्द्रकलाजी जैन, जोधपुर, संघ सहायतार्थ।

2200/- श्री देवेन्द्रनाथजी मोदी, जोधपुर, जीवदया हेतु।

2100/- श्रीमती कमलाजी धर्मसहायिका स्व. श्री राजकुमारजी सिंघवी, जोधपुर, आदरणीय श्री राजकुमारजी सिंघवी के 30 नवम्बर, 2020 को स्वर्गगमन होने पर उनकी पावन स्मृति में रत्नम् पत्रिका हेतु सहयोग।

2000/- श्री एम.आर. मेहता, मुम्बई, जीवदया हेतु।

2000/- श्रीमती अमिताजी सुराणा, मुम्बई, जीवदया हेतु।

2000/- श्रीमती सुमनजी भण्डारी, जोधपुर, स्व. श्रीमती पदमाजी धर्मसहायिका स्व. श्री पुखराजजी मोहनोत के पावन स्मृति में जीवदया हेतु।

2000/- श्रीमती गीताजी जैन, मुम्बई, जीवदया हेतु।

2000/- श्रीमती संध्याजी सिंघवी, जोधपुर, जीवदया हेतु।

1500/- श्रीमती आंकाक्षा चोरडिया, जोधपुर, जीवदया हेतु।

1500/- श्री अनन्तजी चोरडिया, जोधपुर, जीवदया हेतु।

1100/- श्री राहूलजी रोहितजी सिंघवी, जोधपुर आदरणीय श्री राजकुमारजी सिंघवी के 30 नवम्बर, 2020 को स्वर्गगमन होने पर उनकी पावन स्मृति में शिक्षा दीक्षा हेतु सहयोग।

1100/- श्री रौनकजी डाकलिया सुपुत्र स्व. श्री शान्तिलालजी डाकलिया, जोधपुर, सुश्री आज्ञा बाफना (उम्र 8 वर्ष) सुपुत्री श्रीमती अंकिताजी-पवनजी बाफना के धर्मध्यान सीखने के उपलक्ष्य में जीवदया हेतु।

1100/- श्रीमती चन्द्रकलाजी जैन धर्मसहायिका स्व. श्री इंदरसिंहजी जैन, जोधपुर, पुत्र निलेशजी जैन के शादी की 21 वीं वर्षगांठ एवं सुपौत्र मा. आयुष्य जैन के 20 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में जीवदया हेतु।

501/- श्रीमती मंजुजी संकलेचा धर्मसहायिका श्री सुनीलजी संकलेचा, जोधपुर, जीवदया हेतु।

500/- श्रीमती अंजुजी भण्डारी, जोधपुर, जीवदया हेतु।

अ. भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल को प्राप्त साभार

53500/- श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, विजयपुर (कर्नाटक)।

30000/- श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, रायचूर (कर्नाटक)।

21000/- श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, चेन्नई (तमिलनाडु)।

11000/- श्रीमती बीना भागचन्दजी, ब्रिजेशजी, डूग्गूजी मेहता, जोधपुर, अपनी सुपुत्री सुश्राविका बिन्दूजी मेहता के 150 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सानन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

11000/- श्री अशोकजी-वनिताजी मरलेचा, बैंगलौर, अपने नवनिर्मित गृहप्रवेश के उपलक्ष्य में।

11000/- श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, शोरापुर (कर्नाटक)।

11000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में।

9300/- श्रीमती निर्मलाजी, अमिताजी भण्डारी, बैंगलोर (कर्नाटक), आचार्य हस्ती शताब्दी वर्ष में लेख प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पारितोषिक देने हेतु।

5100/- श्री अनिलराजजी, वैजयन्तीजी, अनुभवजी मेहता, बैंगलोर।

5100/- श्रीमती प्रभाजी हीराचन्दजी गुलेच्छा, बैंगलोर, आयंबिल वर्षीतप के उपलक्ष्य में।

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर को प्राप्त साभार

100000/- श्री मोफ्तराजजी मुणोत, मुम्बई, स्वाध्याय निधि संरक्षक सदस्यता हेतु।

100000/- श्री पी. शिखरमलजी सुराणा, चेन्नई, स्वाध्याय निधि संरक्षक सदस्यता हेतु।

51000/- श्रीमती नेहा अंकितजी लोढ़ा, जयपुर, शिक्षा निधि स्तम्भ सदस्यता हेतु।

51000/- श्रीमती सुजाताजी नरेन्द्रजी, श्रेयांशजी, रियाजी, श्रद्धाजी हीरावत, मुम्बई/ जयपुर, शिक्षा निधि स्तम्भ सदस्यता हेतु।

51000/- श्री नरेन्द्रमोहनजी जैन, सवाईमाधोपुर, शिक्षा निधि स्तम्भ सदस्यता हेतु।

50000/- श्री जी. गणपतराजजी, हेमन्तकुमारजी, उपेन्द्रकुमारजी बाघमार, 'कोसाणा वाले', चेन्नई-कोयम्बटूर, सहयोगार्थ।

31000/- श्रीमती नयनताराजी, श्री कस्तूरचन्दजी, सुशीलजी बाफना एवं समस्त बाफना परिवार, जलगांव, श्रावकरत्न श्री रतनलालजी बाफना की पावन-पुण्यस्मृति में स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

22000/- श्री रतनचन्दजी भण्डारी, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

21000/- श्रीमती शिल्पी इन्दरप्रसादजी जैन, मुम्बई-सवाईमाधोपुर, स्वाध्यायनिधि पौषक सदस्यता हेतु।

21000/- श्री सुधीरजी सुराणा, चेन्नई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

21000/- श्रीमती ममताजी-विनयजी, तनीषीजी-समवेन्द्र, केवलजी तातेड़, मुम्बई, पूज्य मातुश्री स्व. श्रीमती पुष्पादेवीजी एवं पूज्य पिताश्री स्व. श्री विजयराजजी तातेड़ की पुण्य स्मृति में स्वाध्याय निधि पोषक सदस्यता हेतु।

21000/- श्री सोहनराजजी संकलेचा, जोधपुर, स्वाध्याय निधि पोषक सदस्यता हेतु।

11000/- श्रीमती चन्द्राजी मुणोत, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

11000/- श्रीमती बीना भागचन्दजी, ब्रिजेशजी, डूग्गूजी मेहता, जोधपुर, अपनी सुपुत्री सुश्राविका बिन्दूजी मेहता के 150 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सानन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

11000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में सहयोगार्थ।

11000/- श्री विजयकुमारजी सुपुत्र श्री नरेन्द्रकुमारजी जैन, जोधपुर, सहयोगार्थ।

11000/- श्री कनकमलजी महेन्द्रजी कुम्भट, जोधपुर, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री बसन्तजी मुणोत, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री ओमप्रकाशजी बांठिया, बालोतरा, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री धनपतराजजी भंसाली, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री अनिलजी सुराणा, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री सी.सी. डांगी, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री प्रवीणजी कर्णावट सुपुत्र श्री चांदमलजी कर्णावट, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री बजरंगलालजी हेमन्तकुमारजी जैन, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री बुधमलजी पदमचन्दजी चेनराजजी मृगेशजी कोठारी-अहमदाबाद, श्रीमती सायर कंवर प्यारेलाल शेषमलजी कोठारी की पुण्यस्मृति में स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री श्रवणकुमारजी, जिनेन्द्रकुमारजी जैन, गंगापुरसिटी-मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री विलेशजी मल्हारा, मुम्बई, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री राजकुमारजी नवलखा, कोटा, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री सुमतिचन्दजी, नमनजी, संयमजी मेहता, पीपाड़, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।

5100/- श्री धनपतजी, दीपकजी, चिरागजी सेठिया, जोधपुर, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।
5100/- श्री सुभाषजी विकासजी गुन्देचा, जोधपुर, स्वाध्याय निर्देशिका विज्ञापन हेतु।
5100/- श्रीमती सज्जनबाईसा, विनोदजी, शुभमजी काठेड़, नीमच, आदरणीय वरिष्ठ स्वाध्यायी श्री शम्भूसिंहसा काठेड़ की पावन पुण्यस्मृति में।
5100/- श्रीमती सुनन्दा धर्मसहायिका स्व. श्री बसन्तजी जैन, मुम्बई, विज्ञापन सहयोगार्थ।
5001/- श्री सी.सी.डांगी, मुम्बई, अपने लघुभ्राता श्री अशोकजी डांगी की पुण्यस्मृति में।
3300/- श्री दिलखुशराजजी मेहता, मुम्बई, सहयोगार्थ।
2101/- श्रीमती सायरबाईजी मेहता, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री पूनमचन्दजी हीरावत, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री विक्कीजी मेहता, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अशोकजी कर्णावट, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्रीमती मोहिनीदेवीजी कच्छवाह, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री सुरेशजी बम्ब, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अनिलजी हीरावत, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री सुरेशजी मेहता, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्रीमती मीना विजयजी बोरा, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री रतनचन्दजी भण्डारी, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री मुकेशजी जैन सुपुत्र श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन, सवाईमाधोपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- सौ. मधुबालाजी जीवनलालजी ओस्तवाल, नाशिक, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री पुखराजजी मेहता, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- डॉ. रमेशजी छाजेड़, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री दिलीपजी जैन, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री विरेन्द्रजी (सोनूजी) डागा, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री मनोजजी जैन, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अनुजजी जैन, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अजयजी हीरावत, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री जयन्तीलालजी लुंकड़, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अनिलजी बाबेल, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री राजेशजी भण्डारी, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री सायरचन्दजी पारख, जोधपुर, श्रीमती संतोषजी पारख की पावन पुण्यस्मृति में।
2100/- श्री अजितजी रांका, भड़गांव (महा.), सहयोगार्थ।
2100/- श्री सुनीलजी बादलचन्दजी जैन, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्रीमती सुनन्दाजी धर्मसहायिका स्व. श्री बसन्तजी जैन, मुम्बई, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री अचलराजजी डागा, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री जितेन्द्रराजजी डागा, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
2100/- श्री सुरेशजी डागा, जोधपुर, वार्षिक सदस्यता हेतु।
1000/- श्री मुकेशजी जैन सुपुत्र श्री बुद्धिप्रकाशजी जैन, सवाईमाधोपुर, सहयोगार्थ।
500/- श्रीमती अंजुजी भण्डारी, जोधपुर, सहयोगार्थ।

अ.भा. श्री जैन रत्न आ. शिक्षण बोर्ड को प्राप्त साभार

25000/- श्री सुगनचन्दजी छाजेड़, श्रीमती चंचलदेवीजी छाजेड़, जोधपुर, पुस्तक प्रकाशन में सहयोग।
11000/- श्रीमती बीना भागचन्दजी, ब्रिजेशजी, डूग्गूजी मेहता, जोधपुर, अपनी सुपुत्री सुश्राविका बिन्दूजी मेहता के 150 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सानन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।

10000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में सहयोगार्थ।
3300/- श्री दिलखुशराजी मेहता, मुम्बई, सहयोगार्थ। (जनवरी से मार्च-2021)
2100/- श्री संजय हरकचन्दजी वोरा, धुलिया, सहयोगार्थ।
1100/- श्री सिद्धार्थजी जैन, जोधपुर, अपनी माताजी स्व. श्रीमती चन्द्रकांताजी जैन (लूंकड़) एवं पिताजी स्व. श्री लखपतजी लूंकड़ की पुण्यस्मृति में।
1000/- श्री अक्षयजी लोढ़ा, चेन्नई, सहयोगार्थ।
500/- श्रीमती अंजुजी भण्डारी, जोधपुर, सहयोगार्थ।

अ.भा. श्री जैन रत्न आ. संस्कार केन्द्र को प्राप्त साभार

100000/- श्री राजेशजी कर्णावट, जोधपुर।
51000/- श्री सुभाषजी, विकासजी गुन्देचा, जोधपुर।
25000/- श्री संदीपजी रांका एवं रांका परिवार, सैलाना, पूज्य पिताश्री स्व. श्री रतनलालजी रांका की पुण्य स्मृति में।
11000/- श्रीमती बीना भागचन्दजी, ब्रिजेशजी, डूग्गूजी मेहता, जोधपुर, अपनी सुपुत्री सुश्राविका बिन्दूजी मेहता के 150 उपवास की सुदीर्घ तपस्या सानन्द सम्पन्न होने के उपलक्ष्य में।
11000/- श्री राजेशजी भण्डारी, जोधपुर।
11000/- श्री जितेन्द्रराजजी डागा, जोधपुर।
10200/- छत्तरछाया फाउण्डेशन, जोधपुर।
10200/- श्री पुखराजजी जैन सुपुत्र श्री पन्नालालजी जैन, जोधपुर।
7500/- श्रीमती पुष्पाजी मेहता, पाली।
7500/- श्री कानराजजी मेहता, पाली।
5300/- श्रीमती सुमनजी-महेन्द्रजी, श्रीमती स्नेहल-नीरजजी, दिव्यांशजी सिंघवी, जोधपुर।
5100/- श्री लोकेशजी कुम्भट, जोधपुर।
5100/- श्रीमती नीतु लोकेशजी कुम्भट, जोधपुर।
5100/- श्री अशोकजी रिंवतसरा, जोधपुर।
5100/- श्री पारसमलजी डागा, जोधपुर।
5100/- श्री राजेशजी सिंघवी, जोधपुर।
5100/- श्री गणपतराजजी सिंघवी, जोधपुर।
2100/- श्रीमती मोहनकौरजी जैन, जोधपुर।
2000/- श्री गौतमजी सुपुत्र स्व. श्री हुकमराजजी भंसाली, जोधपुर।
2000/- श्री गौतमचन्दजी भण्डारी, जोधपुर।
2000/- श्री जी.सी. जैन, जोधपुर।
1500/- श्री महेन्द्रजी सिंघवी, जोधपुर।
1500/- श्रीमती स्नेहलताजी जैन, रतलाम।
1100/- श्री नवनीतजी धनपतमलजी मेहता, जोधपुर।
1100/- श्रीमती पुष्पाजी धर्मसहायिका स्व. श्री उच्छबचंदजी रिंवतसरा, जोधपुर।
1100/- श्री गौतमजी सिंघवी सुपुत्र स्व. श्री सोहनराजजी सिंघवी, जोधपुर।
1100/- श्री तुषारजी शांतिचन्दजी भण्डारी, जोधपुर।
1100/- श्री अभिषेकजी सुपुत्र श्री डूंगरमलजी, नागौर।
1100/- श्री अखिलजी जैन, जोधपुर।
1000/- श्रीमती उषाजी महेन्द्रजी सिंघवी, जोधपुर।
500/- श्रीमती अंजुजी भण्डारी, जोधपुर।
500/- श्री माधोचन्दजी सुपुत्र स्व. श्री कोमलचन्दजी भण्डारी, जोधपुर।

सामायिक–उपकरण संघ कार्यालय में उपलब्ध

रत्नसंघ के प्रधान कार्यालय जोधपुर में श्रावक एवं श्राविकाओं के लिए सामायिक उपकरण के सेट लागत मूल्य से भी कम रियायती दर पर उपलब्ध हैं। श्रावकों के लिए 200/- रुपये एवं श्राविकाओं के लिए 70/- रुपये में सामायिक के उपकरण का सेट उपलब्ध है। उपकरण सेट मंगवाने के इच्छुक श्रावक-श्राविका कार्यालय से सम्पर्क करें |-धनपत सेठिया, महामंत्री

आगामी पर्व

आषाढ़ शुक्ला 8	शनिवार	17.07.2021	अष्टमी
आषाढ़ शुक्ला 14	शुक्रवार	23.07.2021	चतुर्दशी, पक्खी पर्व, चातुर्मास प्रारम्भ
श्रावण कृष्णा 8	शनिवार	31.07.2021	अष्टमी
श्रावण कृष्णा 14	शनिवार	07.08.2021	चतुर्दशी, पक्खी पर्व
श्रावण कृष्णा 30	रविवार	08.08.2021	आचार्य पूज्य श्री शोभाचन्द्रजी म.सा. का 95 वां स्मृति दिवस

BOOK PACKETS CONTAINING PERIODICALS Value of Periodical From Rs.1/- to Rs.20/- For First 100 gms or part thereof Rs. 2/-

संघ सम्बन्धी नवीनतम जानकारी हेतु डाउनलोड करें

रत्नसंघ

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

एप् में अपनी प्रोफाईल अवश्य अपडेट करें

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरु पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित, सम्पादक-प्रकाश सालेचा एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर-जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित

Contact No. 0291-2636763, 94610-26279 (WhatsApp)
Website- www.ratnasangh.com, Email : ratnasangallindia@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई